बुधवार
18 मार्च 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 53
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

स्मार्ट सिटी: शहर के दिल में बह रहा सीवर का गंदा पानी

संवाददाता

देहरादून। दून स्मार्ट सिटी बन गया है जिसका ताजा उदाहरण शहर का दिल कहे जाने वाले घंटाघर के पास सीवर का गंदा पानी बहता दिखायी दे रहा है लेकिन वहां से गुजर रहे अधिकारियों इस तरफ से अपनी आंखें मूंद ली है।

उत्तराखण्ड राज्य निर्माण के बाद दून को अस्थायी राजधानी घोषित किया गया। अस्थायी राजधानी होने के कारण यहां पर सभी विभागों के मुख्यालय खोले गये और निर्माण कार्य कराये गये। घंटाघर से थोडी दूरी पर ही सचिवालय, पुलिस मुख्यालय बनाये गये। सचिवालय में सभी विभागों के सचिव व अधिकारी बैठते हैं। सभी अधिकारी व सचिवों को घंटाघर के पास से प्रत्येक दिन गुजरना पडता है। कभी घंटाघर की सूई काम नहीं करती जिसके कारण समय सही नही दर्शाती है। लेकिन वह भी कई-कई दिनों तक बन्द रहती है जब आम जनता इस तरफ ध्यान देकर धरना प्रदर्शनों के माध्यम से अधिकारियों को अवगत कराती है तब जाकर अधि कारियों की नींद खुलती है और उसको ठीक कराया जाता है। इसी तरह अब घंटाघर के सामने सीवर खराब हो गया है जिसका पानी सडक पर आ रहा है। जिससे पैदल चलने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। लेकिन वहां से गुजर रहे अधिकारियों को इस सीवर के बहता पानी दिखायी नहीं देता है, यह हालात है घंटाघर के। जिसकी दुदर्शा पर ध्यान देने वाला कोई नहीं है।

गंदा पानी बहता दिखायी नहीं दे रहा है। यह हालत जबकि जिलाधिकारी का भी यहां से प्रत्येक दिन गुजरना होता है लेकिन किसी भी अधिकारी को यह सवाल है। जब स्मार्ट सिटी के यह हाल है। जबकि तो तब हैं जब यह स्मार्ट सिटी है। अगर स्मार्ट सिटी नहीं होती तो क्या हाल होता यह एक सोचनीय घंटाघर राजधानी का दिल कहा जाता है जब शहर के दिल की हालत इतनी खराब है तो अन्य स्थानों की क्या हालत होगी इस पर विचार करना पडेगा?

मॉक ड्रिल: ऋषिकेश से लेकर विकासनगर तक भूकंप के झटके, कई घायल

संवाददाता

देहरादून। पुलिस की सजगता की जांच के लिए अधिकारियों ने मॉक अभ्यास चलाया जिसके चलते फायर सर्विस व अन्यों के राहत व बचाव कार्यो की समीक्षा की गयी।

आज प्रात: ही पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि जनपद में 6.5 रिक्टर स्केल पर भूकंप आया है। जिसके फलस्वरूप तहसील विकासनगर क्षेत्रान्तर्गत ट्रांजिट कैम्प हर्बटपुर में आग लगने तथा चारधाम यात्रियों में भगदड की सूचना है। उक्त क्रम मे आवश्यक कार्यवाही करते हुए स्थिति से अवगत कराया। वहीं डीईओसी में प्राप्त सूचना के अनुसार तहसील ऋषिकेश क्षेत्रान्तर्गत ट्रांजिट कैम्प में बम की सूचना प्राप्त हुई है। जिसके कारण चारधाम यात्रियों में

भगदड की स्थिति उत्पन्न हो गयी। घटना में कुछ व्यक्तियों के घायल होने एवं जनहानि की भी सूचना प्राप्त हो रही है। जिसके सम्बन्ध में तहसील प्रशासन और पुलिस कंट्रोल रूम को वायरलेस के माध्यम से अवगत करा दिया गया। इसके साथ ही डीईओ सी से प्राप्त सूचना के अनुसार तहसील ऋषिकेश क्षेत्रान्तर्गत त्रिवेणी घाट/गंगा नदी के आसपास के क्षेत्रों में लगातार वर्षा के कारण गंगा नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर से ऊपर पहुंचने की सूचना प्राप्त हुई। स्थित को दृष्टिगत रखते हुए आसपास के क्षेत्रों में जलभराव, बाढ की आशंका के साथ ही डूबने की घटनाओं की सम्भावना व्यक्त की जा रही है जिसके दृष्टिगत प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर तत्काल निकासी की आवश्यकता है। वहीं तहसील मसूरी क्षेत्रान्तर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन होने की सूचना प्राप्त हुई है, जिसके कारण मार्ग अवरूद्ध हो गया है तथा कई पर्यटक फंसे हुए हैं एवं भारी यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न हो गयी है। साथ ही एक वाहन के खाई में फिसलने की भी सूचना प्राप्त हो रही है जिसके दृष्टिगत राहत एवं बचाव कार्य हेतु तत्काल निकासी की आवश्यकता है। ट्रांजिट कैम्प के बम होने की सूचना प्राप्त होने पर परिसर को खाली कराते हुए सर्चि अभियान शुरू किया। मसूरी के पास होटल देवलोक के समीप भूस्खलन होने से एक वाहन के गिरने की सूचना प्राप्त हुई है। घटना में 3-4 व्यक्तियों के घायल होने की सम्भावना की सूचना है। घटना स्थल पर एसडीआरएफ एवं अग्नि शमन दल पहुंच गया है। एम्बुलेंस घटनास्थल के लिए मसूरी से रवाना हो चुकी है। बताया गया है कि एसडीआरफ व्यक्तियों की सर्चिंग कर रही हैं। इंसिडेंट कमांडर द्वारा अवगत कराया गया कि तीन व्यक्ति घायल अवस्था में हैं। घटनास्थल से सूचना प्राप्त हुई है कि तीन घायल व्यक्ति को एम्बुलेंस द्वारा सिविल अस्पताल मसूरी के लिए भेज दिया गया है। आज प्रात: पौने दस बजे

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

दून वैली मेल

संपादकीय

दुष्यंत की वापसी पर बवाल

उत्तराखंड भाजपा के प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम की उत्तराखंड में वापसी पर बवाल इसलिए स्वाभाविक है क्योंकि अंकिता भंडारी हत्याकांड में उनका नाम एक आरोपी के तौर पर आ चुका है। अंकिता हत्याकांड में जिस वीआईपी को स्पेशल सर्विस प्रोवाइड कराने की बात शुरू से ही चर्चाओं के केंद्र में रही थी तथा इस वीआईपी के नाम का खुलासा करने की आवाज विरोध प्रदर्शन करने वाले उठाते रहे हैं, सनावर द्वारा जब से उनके नाम का खुलासा किया गया है तभी से सूबे में हंगामा मचा हुआ है। इस खुलासे से न सिर्फ प्रदेश के आम लोगों का आक्रोश, बल्कि भाजपा के अंदर भी भारी बेचैनी देखी जाती रही है। सनावर ने सिर्फ दुष्यंत गौतम ही नहीं प्रदेश के कई बड़े नेताओं को भी इसके लपेटे में ले लिया था। दून से दिल्ली तक तमाम तरह की चर्चाओं और साफ सफाईयों के बीच जहां दुष्यंत गौतम ने दून से दूरी बना ली थी बल्कि सीएम धामी को भी इस मामले की सीबीआई जांच के आदेश देने पर विवश होना पड़ा था। लेकिन कुछ महीनो के अंतराल के बाद जब 15 मार्च को फिर से दुष्यंत गौतम भाजपा की एक बैठक में दून में दिखाई दिए तो इस पर बवाल स्वाभाविक ही था। विपक्षी दल कांग्रेस के नेता तो अब इस पर हमलावर है ही इसके साथ ही भाजपा खेमे में भी काना फूसी हो रही है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट भले ही इस पर अपनी सफाई देते हुए यह कह रहे हो कि दुष्यंत गौतम के आरोपी होने का मतलब यह नहीं हो जाता है कि वह दोषी हैं। उनकी बात भले ही कानूनी तौर पर सही हो लेकिन उनकी वापसी से यह संदेश ही जाता है कि भाजपा नेताओं ने उन्हें निर्दोष घोषित कर दिया है। महेंद्र भट्ट का यह कहना कि कुछ समय वह उत्तराखंड इसलिए नहीं आए क्योंकि वह पश्चिम बंगाल के चुनाव में व्यस्त थे। सभी इस बात को जानते हैं कि दुष्यंत गौतम जो उत्तराखंड में ही डेरा डाले रहते थे और हर एक छोटे-बड़े कार्यक्रम वह बैठकों में उनकी मौजूदगी रहती थी। उनका अमित शाह के हरिद्वार कार्यक्रम में न आना न कोर कमेटी की बैठकों में मौजूद न रहने का क्या कारण था। लेकिन अब समय बीतने के साथ भाजपा नेताओं ने यह मान लिया है कि बात आई-गई हो गई है। इसे लेकर कांग्रेस नेता जो सवाल उठा रहे हैं वह बेबुनियाद नहीं है। यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी भी नेता के बड़े पद पर बने रहने की स्थिति में जांच करने वाले अधिकारी उससे क्या सवाल पूछ सकते हैं? कांग्रेस नेताओं द्वारा अब यह आरोप लगाया जा रहा है कि भाजपा सीबीआई जांच का आदेश भले ही दे चुकी है लेकिन यह जांच भी महज एक नाटक और दिखावा है। यह एक राजनीतिक पहलू है इसके अतिरिक्त इसका एक अन्य पहलू यह भी है कि सूबे के आम लोग इस पूरे घटनाक्रम को कैसे देखते समझते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि पेपर लीक मामले की तरह इस मामले को लेकर भी आम लोगों में भारी आक्रोश और नाराजगी है। दुष्यंत गौतम का प्रदेश प्रभारी बने रहना या चुनाव के दौरान उनके राज्य में मौजूदगी भाजपा के लिए फायदेमंद नहीं हो सकती। अगर भाजपा नेताओं की सोच यह है कि लोग समय के साथ सब भूल जाते हैं और उनकी मौजूदगी के मायने उनका निर्दोष होना मान लिया जाएगा तो यह भाजपा नेताओं की एक बड़ी भूल ही है। इस मामले की जांच होने तक अव्वल तो भाजपा को ही उन्हें पद मुक्त रखना चाहिए था अच्छा तो यह होता कि खुद दुष्यंत गौतम ही स्वयं को पद मुक्त रखने के लिए आगे आते।

यात्रा सीजन में आने वाले पर्यटकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो:बर्द्धन

संवाददाता

नैनीताल। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने कहा कि आने वाले पर्यटन सीजन के लिए पर्याप्त पार्किंग व्यस्था सुनिश्चित की जाय। पर्यटकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

आज यहां डॉ आर. एस. टोलिया प्रशासनिक अकादमी नैनीताल में मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने ं नैनीताल जिले में संचालित विभिन्न परियोजनाओं सहित अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते हुये मुख्य सचिव ने कहा कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की प्रशासनिक, तकनीकी एवं प्रक्रियागत बाधा आ रही है, तो उसका त्वरित समाधान किया जाए यदि समस्या शासन स्तर की है तो तत्काल शासन के संज्ञान में लाया जाए। विकास कार्य रुकने नहीं चाहिए। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी विभाग मासिक लक्ष्य निर्धारित कर उसके अनुरूप नियमित कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि लंबित टेंडर, स्वीकृतियां और तकनीकी अनुमोदनों को शीघ्र पूरा किया जाए तथा जिलास्तर पर जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी परियोजनाओं एवं विकास कार्यों की नियमित समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि योजनाओं की प्रगति बढ़ने से राज्य के विकास कार्यों को गति मिलेगी व जनसुविधाओं में भी सुधार होगा। नैनीताल जिले में 20 करोड़ रुपये से अधिक लागत की परियोजनाओं के अंतर्गत कराए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान लगभग 41 करोड़ की लागत से मानस खण्ड मन्दिर माला मिशन के अन्तर्गत कैंची धाम सौन्दर्यीकरण एवं प्रकाशीकरण का कार्य जो जून 2026 तक पूर्ण होना है इन कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान देकर कार्य पूर्ण करने के निर्देश कार्यदाई संस्था लोकनिर्माण विभाग को दिए। मुख्य सचिव ने सिंचाई विभाग की समीक्षा के दौरान 3678.23 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित जमरानी बांध परियोजना की वर्तमान प्रगति की विस्तार से जानकारी ली, तथा निर्धारित समय जून 2029 तक परियोजना को पूर्ण करने

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

क्रिकेट पर सट्टा लगा रहे चार गिरफ्तार

देहरादून (सं)। रायवाला थाना पुलिस को सूचना मिली कि हरिपुर कला में शांति भवन में कुछ लोग ऑनलाइन किक्रेट पर सट्टा लगाकर अवैध धन कमा रहे हैं। जिसके बाद पुलिस ने उक्त स्थान पर छापा मारकर वहां पर क्रिकेट मैच पर ऑनलाईन सट्टा लगवाकर जुआ खिलाना तथा अनुचित लाभ कमाने के उद्देश्य से विभिन्न ऐप के माध्यमों से ऑनलाईन सट्टा लगवाकर अवैध धन अर्जित करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ उन्होंने अपने नाम दर्शन जगमानी पुत्र मनीष कुमार निवासी मध्य प्रदेश, साहिल आहुजा पुत्र अमर आहुजा, सूरज पुत्र महेश निवासी हनुमानगंज भोपाल, हेमन्त शर्मा पुत्र श्यामलाल निवासी मध्य प्रदेश बताया।

स्मैक सहित नशा तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

पौड़ी। पहाड़ों में नशा तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से 5.27 ग्राम स्मैक बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली श्रीनगर और सीआईयू टीम द्वारा नशा तस्करी की एक सूचना के बाद क्षेत्र में संयुक्त चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान संयुक्त टीम को एक व्यक्ति की गतिविधियाँ संदिग्ध पाई गईं। जिस पर पुलिस टीम द्वारा सतर्कता एवं तत्परता से कार्यवाही करते हुए उक्त व्यक्ति को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 5.27 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम लक्की भण्डारी, निवासी श्रीनगर बताया। बताया कि उसके द्वारा स्मैक को ऋषिकेश क्षेत्र से गुरूचरण नामक व्यक्ति से खरीदा था जिससे वह स्मैक को यहां बेचकर आर्थिक लाभ कमा सके। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

युवक को डंपर ने कुचला, मौत

हमारे संवाददाता

नैनीताल। रामपुर रोड स्थित देवलचौड़ चौराहे पर देर रात एक तेज रफ्तार डंपर ने युवक को टक्कर मार दी, जिससे उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया था, जिसे बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार मृतक की मृतक की पहचान नैनीताल जिले के बेतालघाट विकासखंड के हरतपा गांव निवासी अनिल रौतेला के रूप में हुई है। वह हल्द्वानी में किराए के कमरे में रहकर एक निजी फाइनेंस कंपनी में कार्यरत था। बताया जा रहा है कि बीती रात वह किसी काम से देवलचौड़ क्षेत्र गया था, तभी यह हादसा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हल्द्वानी की ओर से आ रहे डंपर ने अचानक अनिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह सड़क पर गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उसे सुशीला तिवारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने काफी प्रयास किए, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। परिजनों के अनुसार हादसे के समय अनिल टीपी नगर चौकी के पास एक फास्ट फूड सेंटर पर गया था, तभी तेज रफ्तार डंपर ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में उसके पेट और पैर में गंभीर चोटें आई थीं। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। अनिल चार भाइयों में तीसरे नंबर का था। उसके माता-पिता गांव में खेती-किसानी करते हैं। बेटे की अचानक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक की लहर है। पुलिस के अनुसार डंपर चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और वाहन को सीज कर दिया गया है। फिलहाल पोस्टमार्टम की कार्रवाई जारी है और परिजनों से तहरीर मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सीएम के समक्ष रखा आंदोलनकारी चिन्हीकरण में ढील करने का मामला

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा ने मुख्यमंत्री के समक्ष रखा आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण में ढील करने का मामला उठाया।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा प्रतिनिधि मंडल ने मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण मानकों में शिथिलता बरतने/ ढील देने व चिन्हीकरण प्रक्रिया शुरू करने का आग्रह किया। जिस पर मुख्यमंत्री ने सचिव गृह को कार्रवाई के निर्देश दिए। नेगी ने कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित चिन्हीकरण मानक काफी जटिल हैं, जिनकी वजह से आज भी प्रदेश में हजारों कर्मठ राज्य आंदोलनकारी चिन्हित होने से वंचित हैं। कई आंदोलनकारियों का यहां तक कहना है कि हम सिर्फ सम्मान पाने के लिए चिन्हित होना चाहते हैं न कि पेंशन पाने के लिए। नेगी

ने कहा कि राज्य निर्माण आंदोलन के समय अधिकांश लोगों ने दस्तावेज संभाल कर नहीं रखे और इसके साथ-साथ पुलिस- प्रशासन व अभिसूचना विभाग ने भी खास- खास अथवा चर्चित चेहरों के ही नाम उस समय रिकॉर्ड में रखे अन्य लोगों के नाम पहचान न होने की वजह से रिकॉर्ड में दर्ज नहीं कर पाए थे। चिन्हीकरण से वंचित आंदोलनकारी आज भी चिन्हित होने की आस लगाए बैठे हैं, जिसको पूरा किया जाना बहुत जरूरी है इससे उनका सम्मान बढ़ेगा।

मिनी पार्किंग के रूप में विकसित की जाएंगे डंपिंग जोन

उत्तरकाशी(आरएनएस)। आगामी चारधाम यात्रा में पार्किंग की समस्या से निजात पाने के लिए गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे पर चल रहे सड़क निर्माण के दौरान बनाए गए डंपिंग जोन का प्रयोग किया जाएगा। जिला प्रशासन की ओर से ३० मार्च तक दोनों हाईवे से संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि वे सड़क का कार्य पूरा करने के बाद डंपिंग जोन की संख्या की जानकारी दें। इससे संभावित और सुरक्षित डंपिंग जोन पर मिनी पार्किंग का निर्माण किया जाएगा। चारधाम यात्रा के समय यात्रा रूट पर सबसे अधिक परेशानी यात्रियों का वाहन पार्किंग के लिए होती है। साथ ही कई बार सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों के कारण जाम की स्थिति बन जाती है। दूसरी ओर गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे पर मानसून में सड़क बंद होने के कारण वाहनों को सुरक्षित स्थानों पर खड़े होने के लिए उचित स्थान नहीं मिल पाता है। यात्रा पड़ावों पर पार्किंग न होने के कारण यात्रियों को कई बार इधर-उधर भटकना पड़ता है इसलिए इस वर्ष समस्या के समाधान के लिए गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे पर बने डंपिंग जोन को मिनी पार्किंग के रूप में विकसित करने पर विचार किया जाएगा। जिला प्रशासन की ओर से बीआरओ और एनएच विभाग को ३० मार्च तक दोनों हाईवे पर सुधारीकरण, डामरीकरण और चौड़ीकरण आदि कार्य पूरे करने के निर्देश दिए हैं।

लोकेशन ट्रेस कर चोटिल हाथी का लिया जायजा

ऋषिकेश(आरएनएस)। ग्राम सभा खदरी खड़कमाफ में चोटिल हाथी द्वारा फसल क्षतिग्रस्त करने की सूचना पर उप प्रभागीय वनाधिकारी अनिल सिंह रावत और वन क्षेत्राधिकारी ऋषिकेश गंभीर सिंह धमांदा सुरक्षा टीम के साथ क्षेत्र में पहुंचे। उन्होंने चोटिल हाथी की लोकेशन ट्रेस कर उसकी हालत की जानकारी ली। उप प्रभागीय वनाधिकारी अनिल सिंह रावत एवं वन क्षेत्राधिकारी ऋषिकेश गंभीर सिंह धमांदा गौहरी रेंज पहुंचे। उन्होंने लोकेशन ट्रेस कर चोटिल हाथी की हालत का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि पार्क की सुरक्षा टीम चोटिल हाथी पर निगरानी बनाए हुए है। ऋषिकेश रेंज का गश्ती दल पार्क के गश्ती दल के साथ संपर्क बनाए हुए है। उप प्रभागीय वनाधिकारी अनिल सिंह रावत ने कहा कि यदि रिजर्व फॉरेस्ट से कोई भी वन्य जीव किसानों की फसल तक पहुंचता है, तो रात्रि गश्त दल किसानों की सुरक्षा के साथ फसल सुरक्षा के लिए रात को गश्त अवश्य करें। वन क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध की सूचना पर तुरंत संज्ञान लें। स्थानीय किसानों से वन्य जीव आमद की सूचना एवं संपर्क बनाए रखें।

रेट्रो साइलेंसर से पटाखे जैसा शोर करने वाली बाइक सीज

अल्मोड़ा(आरएनएस)। रेट्रो साइलेंसर लगाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने और आम लोगों के लिए परेशानी पैदा करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में सोमेश्वर क्षेत्र में पुलिस ने एक बाइक को सीज किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके ने सभी थाना और चौकी प्रभारियों, निरीक्षकों, उपनिरीक्षकों (यातायात) तथा इंटरसेप्टर प्रभारी को निर्देश दिए हैं कि वाहनों में रेट्रो साइलेंसर लगाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। इन निर्देशों के अनुपालन में रविवार को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सोमेश्वर मदन मोहन जोशी ने पुलिस टीम के साथ थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान एक बिना नंबर प्लेट की बाइक में रेट्रो साइलेंसर लगा पाया गया, जिससे पटाखों जैसी तेज आवाज निकल रही थी और आसपास के क्षेत्र में काफी शोर व ध्वनि प्रदूषण हो रहा था। इस पर पुलिस ने चालक के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए बाइक को सीज कर दिया।

नशे के खिलाफ लामाचौड़ में अनिश्चितकालीन धरना शुरू

हल्द्वानी(आरएनएस)। लामाचौड़ चौराहे पर अवैध शराब, स्मैक और चरस की खुलेआम बिक्री के विरोध में अनिश्चितकालीन धरना शुरू हो गया है। सनातन जागृति ट्रस्ट के अध्यक्ष विपिन पाण्डे और क्षेत्र पंचायत सदस्य मीना पाण्डे के नेतृत्व में धरना शरू किया गया।ट्रस्ट के अध्यक्ष ने पुलिस और आबकारी विभाग पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि चौकी से चंद कदमों की दूरी पर नशा बिक रहा है। कई युवा जान गंवा चुके हैं। उन्होंने फतेहपुर और लामाचौड़ में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे और नशे के कारोबार पर कड़ा रोष जताया। क्षेत्र पंचायत सदस्य ने कहा कि नशा आने वाली पीढ़ी को तबाह कर रहा है। हर घर की महिलाएं नशे के अवैध कारोबार से परेशान हैं। सभी जनप्रतिनिधि मिलकर इस लड़ाई को लड़ेंगे। धरने में पूर्व जिला पंचायत सदस्य नीरज तिवारी, ग्राम प्रधान हेमू पड़लिया, ग्राम प्रधान हरेंद्र बिष्ट, क्षेत्र पंचायत सदस्य लक्ष्मी चौरसिया, पूर्व प्रधान रेखा पाठक, सामाजिक कार्यकर्त्ता भास्कर पड़लिया, यतिन पाण्डे, हरीश पाण्डे, सुरेंद्र बिष्ट, हरीश पड़लिया, अनिल पड़लिया, गौतम जोशी, रवि नेगी, देव बिष्ट, किशन पाण्डे, पूजा जोशी, लता नैनवाल, भगवती जोशी, हेमा जोशी, बसंत आर्या आदि शामिल रहे।

सामाजिक चेतना और जीवन-शैली से स्वच्छता का जुड़ना जरूरी

ऋषिकेश(आरएनएस)। श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय परिसर में समाजशास्त्र विभाग द्वारा स्वच्छता का समाजशास्त्र विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें वक्ताओं ने स्वच्छता के लिए सामाजिक जागरूकता, व्यवहार परिवर्तन, सामुदायिक भागीदारी तथा प्रभावी नीतियों आदि पर विचार व्यक्त किए।

श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित व्याख्यान का उद्घाटन परिसर निदेशक प्रो. महावीर सिंह रावत और सोशियोलॉजी ऑफ सैनिटेशन के संयाजक प्रो. नील रतन ने किया। प्रो. महावीर सिंह रावत ने कहा कि स्वच्छता का समाजशास्त्र यह स्पष्ट करता है कि स्वच्छता सुधार के लिए केवल तकनीकी समाधान पर्याप्त नहीं होते। इसके लिए सामाजिक जागरूकता, व्यवहार परिवर्तन, सामुदायिक भागीदारी तथा प्रभावी नीतियों की भी आवश्यकता होती है। कहा कि भारत में स्वच्छ भारत मिशन जैसे कार्यक्रम इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास हैं। इनका उद्देश्य समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाकर स्वस्थ एवं स्वच्छ वातावरण का निर्माण करना है। प्रो. नील रतन ने कहा कि स्वच्छता का समाजशास्त्र समाज में स्वच्छता से जुड़े सामाजिक व्यवहार, सांस्कृतिक मान्यताओं, आर्थिक स्थितियों तथा सामाजिक असमानताओं का अध्ययन करता है। स्वच्छता केवल तकनीकी व्यवस्था नहीं है बल्कि यह सामाजिक चेतना, जीवन-शैली और सामुदायिक सहभागिता से भी गहराई से जुड़ी हुई है। हिमालयी विवि देहरादून के पूर्व कुलपति प्रो. जेपी पचौरी ने कहा कि भारत में लंबे समय तक खुले में शौच और मैला ढोने जैसी प्रथाएं सामाजिक संरचना और जातिगत विभाजन से जुड़ी रही हैं। इनके समाधान के लिए सामाजिक परिवर्तन और व्यावहारिक सुधार आवश्यक थे। इस दौरान सभी उपस्थित लोगों ने स्वच्छता का संकल्प लिया। इस मौके पर डॉ. अनिल एस वाघेला, प्रो. पीके सिंह, डॉ. बिंदेश्वर पाठक, प्रो. हेमलता मिश्रा, विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. शांति प्रकाश सती, डॉ. नीलम बघेल, डॉ. मीनाक्षी वर्मा, प्रो. कल्पना पंत, प्रो. एपी दुबे, प्रो. पूनम पाठक, प्रो. पुष्पांजलि आर्य, प्रो. अधीर कुमार, डॉ. अशोक कुमार मैन्दोला, डॉ. राकेश जोशी, डॉ. शिखा ममगाईं और डॉ. अटल बिहारी त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

रानाचट्टी में खुली शराब की उप दुकान को बंद करने की मांग

उत्तरकाशी(आरएनएस)। यमुनोत्री धाम के नजदीक रानाचट्टी में खुली शराब की उप दुकान का स्थानीय लोगों ने विरोध किया है। ग्रामीणों ने यमुनोत्री धाम की आस्था, विश्वास और स्थानीय जनता की जनभावनाओं को देखते हुए दुकान बंद करने की मांग की है। इस संबंध में ग्रामीणों ने उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा कि यदि दुकान बंद नहीं की जाती है तो स्थानीय लोगों की ओर से मुख्य मार्ग पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। राना गांव के संदीप राणा ने ग्रामीणों की तरफ को एसडीएम को दिए ज्ञापन में कहा कि गांव क्षेत्र में महिलाओं सहित ग्रामीणों के धरना प्रदर्शन आंदोलन तालाबंदी करने के बाद भी अभी तक ठेका बंद नहीं किया गया है जो कि स्थानीय लोगों की भावनाओं को आहत कर रहा है। डीएम ने भी सकारात्मक आश्वासन दिया है कि अगले सत्र से यह दुकान आवंटित नहीं की जाएगी। स्थानीय ग्रामीण महाबीर पंवार ने कहा कि धामी सरकार एक तरफ ड्रग्स फ्री उत्तराखंड बनाने की बात करती है और दूसरी तरफ धामों के पास शराब की दुकानें खोली जा रही है। वहां पर क्षेत्र के ग्रामीणों के बच्चे शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। शराब की उपदुकान खोलना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जनभावनाओं और यमुनोत्री धाम के महत्व के दृष्टिगत उप दुकान तत्काल बंद हो।

ग्रामीणों के साथ संवाद कर पुलिस ने सुनी जनसमस्याएं, दी जानकारी

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जनपद में जन-जागरूकता अभियान के तहत पुलिस ग्रामीण क्षेत्रों में चौपाल लगाकर लोगों से संवाद कर रही है और उनकी समस्याएं सुन रही है। इसी क्रम में थानाध्यक्ष लमगड़ा प्रमोद पाठक ने ग्राम सभा सांगड़ साहू में जागरूकता चौपाल आयोजित की। चौपाल के दौरान ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों की पुलिस से संबंधित समस्याएं, शिकायतें और सुझाव गंभीरता से सुने गए तथा कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को साइबर फ्रॉड से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, डिजिटल अरेस्टिंग जैसे नए साइबर अपराधों, सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने और नए आपराधिक कानूनों-भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही नशे से संबंधित किसी भी गोपनीय सूचना के लिए मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 की जानकारी दी गई। ग्रामीणों को एलपीजी गैस सिलेंडर का अनावश्यक भंडारण न करने, गैस से जुड़े संभावित धोखाधड़ी से सतर्क रहने, बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन कराने और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर डायल 112 तथा साइबर हेल्पलाइन 193० के बारे में भी जानकारी दी गई।

किसानों से जैविक खेती अपनाने का आह्वान

उत्तरकाशी(आरएनएस)। स्वयंसेवी संस्था अनमोल ग्राम स्वराज संस्थान के तत्वावधान में गुंदियाटगांव में ग्रामीण किसानों के आजीविका संवर्द्धन विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में किसानों से जैविक खेती अपनाने का आह्वान किया गया। इस मौके पर कार्यशाला में कृषि, बागवानी, सामाजिक कार्य और पारंपरिक खाद्य संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। गुंदियाटगांव स्थित वंदे मातरम एजुकेशन संस्थान परिसर में आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता वरिष्ठ कृषक युद्धवीर सिंह रावत ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद सेमवाल ने किया। इस मौके पर कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए खलाड़ी के युद्धवीर सिंह रावत, नगदी फसल उत्पादन में योगदान के लिए कमल सिराईं किसान संगठन के अध्यक्ष स्यालिक राम व बागवानी के क्षेत्र में कार्य करने पर श्यामलाल परियाल को सम्मानित किया गया। वहीं पारंपरिक रवाई भोज एवं स्थानीय जैविक खाद्य पदार्थों के संरक्षण के लिए जमुना देवी को सम्मानित किया गया। सामाजिक कार्यों में योगदान के लिए सोबत सिंह रावत व शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने पर वंदे मातरम् ट्रेनिंग एंड एजुकेशन फाउंडेशन के संस्थापक राजेश सेमवाल को भी शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।

निर्माणाधीन पुल के कंक्रीट की जगह वायरक्रेट में भरी जा रही मिट्टी

उत्तरकाशी (आरएनएस)। मोरी विकासखंड के सौड़-ओसला मोटर मार्ग पर हो रहे मोटर पुल निर्माण में बनाए जा रहे वायरक्रेट पर सीमेंट बजरी के स्थान पर मिट्टी का प्रयोग किया जा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर बन रहे पुलों में पहले एक पुल पर लकड़ी के टेक लगाकर इतिश्री कर दी गई तो वहीं अब दूसरे निर्माणाधीन पुल के निर्माण में गुणवत्ता और मानकों के विपरीत कार्य किया जा रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से इसकी जांच की मांग की है। स्थानीय निवासी सेनू चौहान, राजपाल रावत ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना विभाग की ओर से सौड़-ओसला मोटर मार्ग का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही उसके तहत ब्रिडकुल गंगाड़ के समीप दो मोटर पुलों का निर्माण कर रहा है। कार्यदायी संस्था की ओर से इन दोनों पुलों पर गुणवत्ताविहीन और मानकों के विपरीत कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कुछ दिन पूर्व एक निर्माणाधीन पुल को थामने के लिए लकड़ी के ही टेक लगा दिया था। वहीं, अब दूसरे पुल के निर्माण के दौरान बनाए जा रहे वायरक्रेट में बजरी सीमेंट के स्थान पर मिट्टी का प्रयोग किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने सोशल मीडिया पर इसका वीडियो डालकर जिला प्रशासन से इसकी जांच की मांग की है। उनका कहना है कि जब पुल की सुरक्षा के लिए बन रहे वायरक्रेट ही सुरक्षित नहीं है तो भविष्य में यह पुल किस प्रकार सुरक्षित रह पाएगा।

उन्होंने कहा कि आगामी बरसात में यह मिट्टी पानी में बह जाएगी। संबंधित विभाग की ओर से यहां पर सरकारी धन का दुरुपयोग कर लोगों की जान के साथ भी खिलवाड़ किया जा रहा है। पीएमजीएसवाई के एई सुभाष दौरियाल ने कहा कि पुलों को निर्माण ब्रिडकुल कर रहा है। दूसरी ओर ब्रिडकुल के अधिकारियों से संपर्क नहीं हो पाया।

हैंडबैग का इस तरह से रखें ध्यान, लंबे समय तक रहेंगे सही

हैंडबैग न केवल हमारे सामान को समेटने का काम करता है, बल्कि हमारे लुक को भी पूरा करता है। हालांकि, अक्सर हम इसे इस्तेमाल करने के बाद यूं ही कहीं रख देते हैं और इसका सही तरीके से ख्याल नहीं रखते। इससे इसकी चमक और गुणवत्ता दोनों प्रभावित होती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान उपाय बताते हैं, जिनकी मदद से आप अपने हैंडबैग को लंबे समय तक सही रख सकते हैं।

हैंडबैग को साफ रखें

हैंडबैग को साफ रखना बहुत जरूरी है। अगर आपके हैंडबैग पर कोई दाग या गंदगी लग गई है तो उसे तुरंत साफ करें। इसके लिए आप हल्के साबुन और पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं। ध्यान रखें कि ज्यादा पानी न डालें क्योंकि इससे बैग का आकार बिगड़ सकता है। अगर आपका हैंडबैग चमड़े का है तो उसे साफ करने के लिए खास चमड़े का सफाई करने वाला पदार्थ इस्तेमाल करें।

सही तरीके से रखें

हैंडबैग को सही तरीके से रखना भी जरूरी है। अगर आप अपने हैंडबैग को लंबे समय तक सही रखना चाहते हैं तो उसे सही जगह पर रखें। इसे किसी ठंडी और सूखी जगह पर रखें ताकि नमी और धूल से बचा जा सके। अगर आपके पास हैंडबैग के लिए खास डिब्बा हो तो उसमें रखें। इससे आपके बैग की चमक और गुणवत्ता बनी रहेगी और ये लंबे समय तक सही रहेगा।

भारी सामान न रखें

हैंडबैग में भारी सामान रखने से इसका आकार बिगड़ सकता है और यह जल्दी खराब हो सकता है। इसलिए हमेशा अपने हैंडबैग में हल्का और जरूरी सामान ही रखें। भारी किताबें या लैपटॉप जैसे भारी सामान को अलग बैग में रखें ताकि आपके हैंडबैग का आकार बना रहे और यह लंबे समय तक सही रहे। इससे आपके बैग की चमक और गुणवत्ता बनी रहेगी और यह लंबे समय तक सही रहेगा।

धूप से बचाएं

धूप में लंबे समय तक रखने से आपके हैंडबैग की चमक फीकी पड़ सकती है इसलिए इसे धूप से बचाकर रखें। जब भी आपका बैग न पहनने वाला हो तो उसे किसी बंद दराज या डिब्बे में रखें ताकि धूल-मिट्टी और धूप से बचा रहे। अगर आप अपने बैग को लंबे समय तक सही रखना चाहते हैं तो उसे सही जगह पर रखें और समय-समय पर साफ करते रहें। इससे आपके बैग की चमक और गुणवत्ता बनी रहेगी।

नियमित रूप से जांचें

अपने बैग की नियमित रूप से जांच करना जरूरी है ताकि किसी भी तरह की समस्या समय रहते हल हो सके। समय-समय पर बैग की सिलाई, हैंडल और जिपर्स आदि की जांच करते रहें ताकि कोई टूट-फूट न हो। अगर कहीं सिलाई ढीली हो रही हो तो उसे तुरंत ठीक कर लें। इसके अलावा बैग को समय-समय पर साफ करते रहें ताकि उसकी चमक और गुणवत्ता बनी रहे।

मालामाल वीकली 2 के साथ लौटेगी रितेश देशमुख, परेश-राजपाल की तिकड़ी?

रितेश देशमुख, परेश रावल और राजपाल यादव की फिल्म मालामाल वीकली साल 2006 में रिलीज हुई थी। ताजा जानकारी में पता चला है कि इसकी दूसरी किस्त लाने की तैयारी चल रही है। जाहिर है कि हेरा फेरी, भागम भाग और खोसला का घोसला जैसी कल्ट फिल्मों का सीक्वल आने के लिए तैयार है। ऐसे में, 20 साल पहले आई मालामाल वीकली की दूसरी किस्त आना फैंस के लिए किसी बड़े तोहफे से कम साबित नहीं होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, एक सूत्र ने जानकारी देते हुए बताया, मालामाल वीकली 2 के लिए बातचीत शुरू हो गई है। फिल्म पर काम कर रही टीम को एक बेहतरीन आइडिया मिला है जो इस फिल्म के दूसरे भाग के लिए बिल्कुल सही होगा। उन्होंने आगे बताया, यह सीधा सीक्वल नहीं है। इस बार किरदार और पृष्ठभूमि अलग होंगे, लेकिन पहले भाग की तरह ही, यह लालची ग्रामीणों के एक समूह के बारे में होगा।

सूत्र ने बताया, परेश ने अपनी सहमति दी है, लेकिन अभी कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया है। राजपाल और रितेश से बातचीत चल रही है। फिल्म मालामाल वीकली की कहानी एक गांव के इर्द-गिर्द घूमती है जहां एक शख्स की 1 करोड़ रुपये की लॉटरी लग जाती है। हालांकि, इसे जीतने की खुशी में उसकी मौत हो जाती है। इसके बाद लॉटरी हथियाने के चक्कर में अन्य गांववाले अजीबोगरीब कारनामे करते हैं। फिल्म में दिवंगत अभिनेता ओम पुरी भी थे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

कैसा भूमंडलीकरण, कैसी विश्व व्यवस्था?

श्रुति व्यास

साफ दिखलाई दे रहा है कि भूमंडलीकरण इतिहास की अनिवार्य धारा नहीं है, बल्कि मानों एक ऐसी व्यवस्था जैसी है जो परिस्थितियों पर निर्भर है। और वह लगातार खतरे के नीचे खड़ी है। कोई भी समय कभी भी इस पूरी व्यवस्था को पटरी से नीचे उतार सकता है, जैसे इस समय भूमंडलाकरण के साथ वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था में भी नजर आ रहा है।

इजराइल-अमेरिका बनाम ईरान की लड़ाई ने फिर दुनिया को ठिठका दिया है। वजह वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कनों में एक होर्मुज़ जलडमरूमध्य है। ईरान और खाड़ी देशों के बीच स्थित यह मार्ग दुनिया के लगभग पाँचवें हिस्से के तेल का रास्ता है। इसलिए जब यहाँ युद्ध या तनाव की आशंका पैदा होती है, तो असर केवल मध्य-पूर्व में ही सिमटा नहीं रहता। तेल बाज़ार से लेकर करेंसी बाज़ार, जहाज़रानी से लेकर बीमा उद्योग और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था हिलने लगती है। और ताजा लड़ाई ने विश्व राजधानियों में फिर यह सवाल पैदा किया है कि दुनिया को गाँव में बदलने वाले वैश्वीकरण की बुनियाद कितनी पुख्ता है?

तीन दशकों से यह विश्वास गहरा है कि वैश्वीकरण की प्रक्रिया का पलटना या थमना संभव नहीं है। उत्पादन और व्यापार की शृंखलाएँ महासागरों के पार फैल चुकी थीं। पूँजी की लगभग बिना रुकावट एक देश से दूसरे देश में आवाजाही है। एक महाद्वीप में बना सामान कुछ ही हफ्तों में दूसरे महाद्वीप की दुकानों तक पहुँच जाता है। दुनिया की अर्थव्यवस्था अब इतनी परस्पर जुड़ चुकी है कि उसका ढहना लगभग असंभव है।

इस विश्वास को समय-समय पर झटके लगे हैं। युद्धों ने विश्व व्यापार को बाधित किया और महामारी ने वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था को अचानक रोक दिया। कोविड-19 के दौरान बंदरगाहों पर कंटेनर अटक गए, कारखाने बंद हुए और अंतरराष्ट्रीय व्यापार धीमा हुआ। लेकिन इसके बावजूद वैश्वीकरण रुका नहीं। वह कुछ समय के लिए ठहरा, फिर अपने को नए हालात के अनुरूप ढालकर आगे बढ़ गया। जैसे ही अर्थव्यवस्थाएँ खुलीं, व्यापार फिर तेज़ी से लौट आया। कंटेनर जहाज़ों ने फिर समुद्र पार करना शुरू किया, डिजिटल व्यापार और तेज़ हुआ। वैश्विक पूँजीवाद की व्यवस्था ने फिर अपना लचीलापन दिखाया।

लेकिन आज का संकट अलग प्रकृति का है। महामारी उत्पादन और आपूर्ति को बाधित करती है, जबकि युद्ध उन रास्तों को ही खतरे में डाल देता है जिनसे पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था चलती है। ईरान से जुड़ा संकट इसी कारण दुनिया की चिंता है, क्योंकि यह वैश्विक व्यापार की उन धमनियों को छूता है जिन पर पूरी व्यवस्था टिकी है।

होर्मुज़ जलडमरूमध्य सबसे संवेदनशील बिंदु है। दुनिया के लगभग पाँचवें हिस्से का तेल इसी मार्ग से गुजरता है। यदि यह मार्ग अस्थिर होता है, तो उसके असर बहुत दूर तक होंगे। तेल की कीमतें तुरंत उछलने लगती हैं। इसके बाद माल ढुलाई का खर्च बढ़ता है, बीमा प्रीमियम ऊपर जाते हैं। मुद्रा बाज़ारों में अस्थिरता छा जाती है। कुछ ही दिनों में यह कंपन वैश्विक अर्थव्यवस्था के कई हिस्सों में महसूस होने लगता है।

यहीं वैश्वीकरण की असली भौगोलिक सच्चाई है। दुनिया भले ही सीमा-रहित दिखाई देती हो, लेकिन वैश्विक व्यापार वास्तव में कुछ ही संकरे रास्तों पर निर्भर है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य, स्वेज नहर और मलक्का जलडमरूमध्य ऐसे ही मार्ग हैं। जब इन रास्तों पर संकट आता है, तब वैश्वीकरण किसी अटूट व्यवस्था की तरह नहीं बल्कि भू-राजनीतिक स्थिरता पर निर्भर एक नाजुक ढाँचे की तरह खड़ा दिखता है।

ईरान संकट एक और गहरे बदलाव की ओर भी संकेत है। शीत युद्ध के बाद यह मान लिया गया था कि आर्थिक परस्पर निर्भरता भू-राजनीतिक संघर्षों को सीमित कर देगी। जो देश वैश्विक अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़े होंगे, वे ऐसे कदम नहीं उठाएँगे जो उनकी अपनी समृद्धि को नुकसान पहुँचाएँ।

लेकिन पिछले कुछ वर्षों की घटनाएँ इस विश्वास को कमजोर कर रही हैं। यूक्रेन युद्ध ने यूरोप की ऊर्जा व्यवस्था को हिला दिया है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ता तनाव तकनीकी आपूर्ति शृंखलाओं को विभाजित कर रहा है। मतलब अब ईरान से जुड़ा संकट एशिया की आर्थिक वृद्धि को ऊर्जा देने वाले तेल मार्गों को ही खतरे में डाल दे रहा है।

इसका मतलब यह नहीं कि वैश्वीकरण समाप्त हो रहा है। लेकिन उसका स्वरूप बदल रहा है। अब वह पहले की तुलना में अधिक रणनीतिक, अधिक सतर्क और शक्ति-राजनीति के दबावों के प्रति अधिक संवेदनशील हो गया है।

भारत के लिए इसके निहितार्थ तत्काल असर दिखा रहे हैं। भारत अपनी कच्चे तेल की लगभग 85 प्रतिशत आवश्यकता आयात से पूरी करता है। इसलिए ऊर्जा सुरक्षा उसकी स्थायी रणनीतिक चिंताओं में से एक है। भारत के तेल आयात का लगभग 40 प्रतिशत होर्मुज़ जलडमरूमध्य से होकर आता है। इसलिए जब खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, तो उसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर बहुत जल्दी दिखाई देता है। तेल महँगा होता है, आयात बिल बढ़ता है, महँगाई का दबाव बनता है और रुपये पर असर पड़ता है।

यह जोखिम केवल कीमत का नहीं, आपूर्ति का भी है। भारत के सामरिक पेट्रोलियम भंडार विशाखापत्तनम, मंगलुरु और पदूर में स्थित हैं। इन भंडारों में लगभग 39 मिलियन बैरल कच्चा तेल रखा जा सकता है, जो किसी गंभीर संकट की स्थिति में लगभग पाँच से छह सप्ताह की खपत को पूरा कर सकता है। प्रतिदिन पाँच मिलियन बैरल से अधिक तेल खपत करने वाले देश के लिए यह सुरक्षा उपयोगी तो है, लेकिन सीमित भी है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस

▶▶ शेष पृष्ठ 5 पर

शब्द सामर्थ्य -076

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

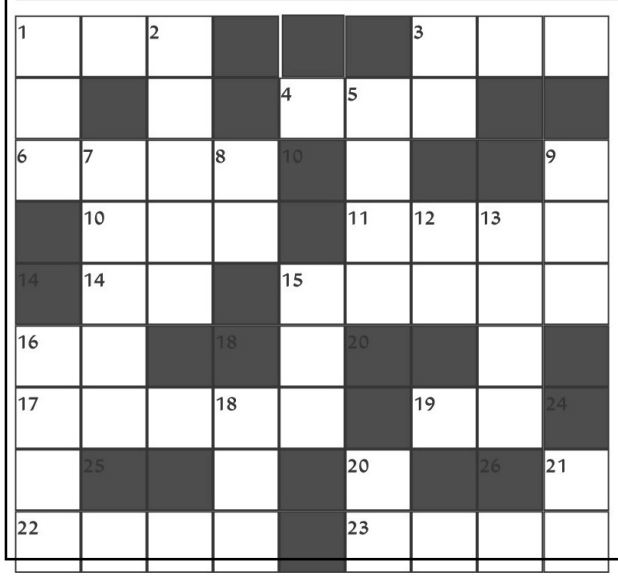

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 75 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

मम्मी-पापा की 40वीं सालगिरह पर टूर गाइड बनीं श्रिया पिलगांवकर!

मशहूर अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर हाल ही में अपने माता-पिता के साथ वियतनाम की सैर करके वापस लौटी हैं। उन्होंने बताया कि पेरेंट्स के साथ किसी ट्रिप पर जाना फिल्म बनाने से कम नहीं है। पिलगांवकर ने इंस्टाग्राम पर कुछ झलकियां शेयर कीं, जिसमें वे अपने माता-पिता के साथ खूब मजे करती नजर आ रही हैं। श्रेया ने लिखा, जब मम्मी-पिता ही बच्चों जैसे बन जाएं, तब परिवार के साथ छुट्टियां किसी फिल्म से कम नहीं लगतीं। थोड़ी भागदौड़ और हलचल तो होती है, लेकिन यही पल सबसे प्यारी यादें बन जाते हैं। माता-पिता को घुमाने ले जाना बहुत खास एहसास देता है। श्रिया ने आगे बताया, परिवार के साथ छुट्टियां प्लान करना आसान नहीं होता, इसलिए मौका मिले तो हम उसे कभी हल्के में नहीं लेते। हाल ही में मम्मी-पापा की शादी की 40वीं सालगिरह थी तो मैंने एक छोटा सा ट्रिप प्लान किया। इस दौरान मैं उनकी पूरी टूर गाइड बनी रही। तस्वीरों में वियतनाम की खूबसूरत जगहों पर परिवार की मस्ती साफ दिख रही है। यह ट्रिप उनके लिए बेहद यादगार साबित हुई। बता दें कि श्रिया पिलगांवकर 90 के दशक के अभिनेता सचिन पिलगांवकर और अभिनेत्री सुप्रिया पिलगांवकर की बेटी हैं। श्रेया ने भी अपने माता-पिता की तरह सिनेमा की दुनिया में अपने करियर को बनाने का फैसला लिया। बचपन से ही श्रेया फिल्मों में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम करती रहीं और छोटे किरदारों के जरिए अपने अभिनय को निखारा। साल 2010 में श्रेया ने चल चलिए नाम की शॉर्ट फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने एक कुल्टी जैसी कुछ कहानियों के जरिए अपना नाम बनाने की कोशिश की है। अभिनेत्री जल्द ही फिल्म हैवान में नजर आने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है।

सूर्या की नई फिल्म विश्वनाथ एंड संस के पहले पोस्टर के साथ रिलीज डेट आउट

एक्टर सूर्या की नई फिल्म का पोस्टर रिलीज किया गया है। पहले इस फिल्म को सूर्या 46' के नाम से जाना जा रहा था, लेकिन अब मेकर्स ने इसके आधिकारिक नाम और रिलीज डेट का खुलासा कर दिया है। तमिल सुपरस्टार सूर्या की नई फिल्म विश्वनाथ एंड संस का टाइटल और पहला पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। पहले इस फिल्म को सूर्या 46' के नाम से जाना जा रहा था, लेकिन अब मेकर्स ने इसका आधिकारिक नाम अनाउंस कर दिया है। सामने आए पोस्टर में सूर्या एक छोटे बच्चे को गोद में लिए नजर आ रहे हैं। उनके चेहरे पर हल्की मुस्कान है, जो पोस्टर को बेहद भावुक और दिल को छू लेने वाला बना देती है। इस लुक को देखकर फैंस काफी उत्साहित हो गए हैं और सोशल मीडिया पर जमकर रिएक्शन दे रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन वेंकी एटलुरी कर रहे हैं, जो पहले भी भावनात्मक और पारिवारिक कहानियों के लिए जाने जाते हैं। फिल्म को एक फैमिली एंटरटेनर बताया जा रहा है, जिसमें इमोशन और ड्रामा दोनों का तड़का होगा। फिल्म में अभिनेत्री ममिता बैजू भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। कहा जा रहा है कि रवीना टंडन भी फिल्म में एक अहम रोल में नजर आएंगी। वहीं, फिल्म का म्यूजिक जी. वी. प्रकाश कुमार दे रहे हैं। मेकर्स ने यह भी घोषणा की है कि यह फिल्म जुलाई 2026 में रिलीज होगी।

कैसा भूमंडलीकरण, कैसी विश्व व्यवस्था?

◀◀ पृष्ठ 4 का शेष

जोखिम को संतुलित करने की कोशिश की है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रियायती रूसी कच्चे तेल की खरीद तेज़ी से बढ़ा दी। रूस, जो पहले भारत के तेल आयात का बहुत छोटा स्रोत था, कुछ समय के लिए उसका सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया। लेकिन ऊर्जा सुरक्षा अब केवल आर्थिक सवाल नहीं रही। वह सीधे भू-राजनीति से जुड़ चुकी है। नई दिल्ली को एक सावधानी भरे कूटनीतिक संतुलन के साथ आगे बढ़ना पड़ रहा है। 2025 में अमेरिकी प्रशासन ने भारतीय निर्यात पर भारी शुल्क लगाए और इसका भी असर हुआ। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले 25 प्रतिशत शुल्क लगाया, फिर अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क भी, जो भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद जारी रखने से जुड़ा था। इससे कुछ भारतीय वस्तुओं पर कुल शुल्क लगभग 50 प्रतिशत तक था। संकेत साफ था कि ऊर्जा के फैसले अब भू-राजनीतिक हिसाब-किताब से अलग नहीं रहे। बहरहाल वह संकट अभी हाशिए में है। लेकिन इस पूरे प्रकरण का एक स्पष्ट सबक है। भारत की आयातों पर अत्यधिक निर्भरता जोखिम भरी है। पेट्रोलियम पदार्थ और ऊर्जा से जुड़े फैसले अब केवल कारोबारी नहीं हैं बल्कि वे भू-राजनीतिक बिसात का हिस्सा हैं। ईरान संकट ने भारत की इस दुविधा को और जटिल बना दिया है। यदि खाड़ी क्षेत्र से तेल की आपूर्ति बाधित होती है, तो रूस से तेल खरीदना फिर एक आर्थिक अनिवार्यता होगी। लेकिन तब अमेरिका के साथ नए तनाव भी पैदा हो सकते हैं। यही मौजूदा वैश्वीकरण का विरोधाभास है। आर्थिक परस्पर निर्भरता स्थिर समय में अमीरी लाती है, लेकिन वही व्यवस्था दूर के युद्धों का भी असर हर देश की अर्थव्यवस्था में चिंता पैदा कर देती है। हालांकि वैश्वीकरण एक युद्ध से समाप्त नहीं होगा। लेकिन आज वह पहले की तुलना में अधिक नाजुक निश्चित ही दिखाई दे रहा है। क्योंकि यह केवल व्यापार मार्गों का जाल नहीं था। यह बड़ी शक्तियों के बीच एक वैश्विक गाँव के भीतर राजनीतिक अनुशासन पर भी टिका है। और अनुशासन जब कमजोर पड़ने लगता है, तो व्यवस्था तुरंत नहीं टूटती, लेकिन उसका असुरक्षित होना स्पष्ट दिखाई देने लगता है। ऐसे क्षणों में भूमंडलीकरण इतिहास की अनिवार्य धारा नहीं लगता, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था जैसा दिखाई देता है जो परिस्थितियों पर निर्भर है-और लगातार खतरे के नीचे खड़ी है। समय कभी भी पूरी व्यवस्था को पटरी से नीचे उतार देता है, जैसा वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था में भी इस समय दिखलाई दे रहा है।

मनीष मल्होत्रा का बोले चूड़ियां से प्रेरित नया आउटफिट, न्यासा देवगन को बनाया अपनी मॉडल

मशहूर कॉस्ट्यूम डिजाइनर मनीष मल्होत्रा अपनी बेहतरीन कारीगरी और टाइमलेस डिजाइन को लेकर जाने जाते हैं। उनके बनाए कपड़े काफी समय तक लोगों के दिलों में खास जगह बनाए हुए हैं। हाल ही में मनीष ने एक नया आउटफिट तैयार किया है। मनीष का कहना है कि यह आउटफिट फिल्म कभी खुशी कभी गम के मशहूर गाने बोले चूड़ियां में करीना की ड्रेस से प्रेरित है। यह ड्रेस आज भी पॉपुलर है। मनीष ने इस नए वर्जन की ड्रेस के लिए मॉडल के तौर पर अजय देवगन और काजोल की लाडली न्यासा देवगन को रखा। उन्होंने यह ड्रेस न्यासा पर ट्राई की, जिसकी तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की।

मनीष ने लिखा, साल 2001 में आई फिल्म कभी खुशी कभी गम का गाना बोले चूड़ियां भारतीय शादियों में संगीत की परंपरा शुरू करने वाला माना जाता है। इस गाने में पूरा परिवार सज-धजकर डांस करता है। करण जौहर की इस फिल्म में करीना के कपड़े 25 साल बाद भी पॉप कल्चर का हिस्सा हैं और लोग उन्हें याद करते हैं।

मनीष ने आगे बताया कि कई सालों से उनके यहां बोले चूड़ियां से प्रेरित आउटफिट बनते रहे हैं। इन ड्रेस को मॉडल अनीता कुमार से लेकर दुनिया भर के ग्राहकों ने पहना है। अब 2025-26 के नए वर्जन में न्यासा देवगन इस लुक में बेहद आकर्षक दिख रही हैं।

मनीष ने करियर को लेकर बताया, मैंने साल 1990 में कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग से शुरुआत की थी। फिल्मों में कई नए स्टाइल शुरू किए, जो बाद में आम भारतीय फैशन का हिस्सा बन गए। अलग-अलग पीढ़ियों में इन डिजाइनों के नए रूप देखने को मिले हैं। इसी वजह से ये कॉस्ट्यूम हमेशा यादगार और टाइमलेस बने रहते हैं।

बता दें कि साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म कभी खुशी कभी गम में करीना का स्टाइलिश और ग्लैमरस किरदार काफी आइकॉनिक था, जो आज भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता रहता है। उनके किरदार के डांस, डायलॉग, बोल्ड और फैशन-फॉरवर्ड आउटफिट्स से आज की जेनजी भी रिलेट करती हैं।

आलिया भट्ट ने लव एंड वॉर पर दिया अपडेट, बोलीं- आभारी हूं कि मौका मिला

अभिनेत्री आलिया भट्ट अपनी आगामी फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त चल रही हैं। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी मुख्य किरदारों में हैं। हाल ही में, एक कार्यक्रम के दौरान आलिया ने फिल्म को लेकर बात की और उससे जुड़ा एक अपडेट साझा किया। आलिया ने भंसाली संग करने के अनुभव पर भी बात की और इस सफर को जादुई बताते हुए आभार व्यक्त किया।

आलिया ने मिलान फैशन वीक में अपनी उपस्थिति से खूब चर्चा बटोरी। इस दौरान अभिनेत्री ने अपनी वर्तमान की परियोजना के बारे में खुलासा किया। उन्होंने कहा, मैं फिलहाल लव एंड वॉर नाम की एक फिल्म पर काम कर रही हूं। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है। यह एक बेहद जादुई अनुभव रहा है। लव एंड वॉर बॉलीवुड की सबसे चर्चित आगामी परियोजनाओं में से एक है।

भंसाली के साथ दोबारा जुड़ने पर आलिया ने कहा, संजय सर के साथ काम करना जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव है और मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे यह मौका मिला। दरअसल, फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के बाद यह दूसरा मौका है, जब आलिया को दोबारा भंसाली की फिल्म में जुड़ने का मौका मिला है। पहले यह फिल्म 2026 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे 2027 तक के लिए खिसका दिया गया है।

खेलकूद प्रतियोगिता में वीपीकेएएस के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

अल्मोड़ा(आरएनएस)। विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों और कर्मचारियों ने भाकृअनुप उत्तर क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान को गौरवान्वित किया है। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता का आयोजन 9 से 12 मार्च तक भाकृअनुप-केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान, हिसार (हरियाणा) में किया गया, जिसमें विभिन्न संस्थानों की 22 टीमों के लगभग 850 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता के दौरान संस्थान की टीम का समन्वय और मार्गदर्शन डॉ. जे.पी. आदित्य और डॉ. आर.पी. मीणा ने किया। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में संस्थान के प्रतिभागियों ने कई पदक हासिल किए। डॉ. संथिया एस ने जेवलिन थ्रो में स्वर्ण और शॉट पुट में कांस्य पदक प्राप्त किया, जबकि डॉ. प्रकाश चन्द घासल ने डिस्कस थ्रो में रजत और शॉट पुट में कांस्य पदक जीता। इसके अलावा कुमारी आकांक्षा ने जेवलिन थ्रो में रजत तथा दीपक कुमार ने जेवलिन थ्रो में कांस्य पदक हासिल किया। टीम स्पर्धाओं में भी संस्थान का प्रदर्शन सराहनीय रहा। संस्थान की टीम वॉलीबॉल में सेमीफाइनल तथा बैडमिंटन और टेबल टेनिस में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में सफल रही। संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मी कान्त ने विजेता खिलाड़ियों से भेंट कर उन्हें बधाई दी और उनके प्रदर्शन की सराहना की।

लागू किए गए यूजीसी कानून को वापस लिया जाए

रुद्रपुर(आरएनएस)। शिवसेना के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर विभिन्न मांगों को लेकर राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एडीएम कौस्तुभ मिश्रा को सौंपा। शिवसेना के कुमाऊं मंडल की ओर से दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए यूजीसी कानून को वापस लिया जाए। साथ ही जातिगत आधार पर लागू आरक्षण व्यवस्था को समाप्त कर आर्थिक आधार पर नई आरक्षण व्यवस्था लागू की जाए। मांग की गई कि नई व्यवस्था में दिव्यांगों, शहीदों के आश्रितों, अनाथों और सभी जाति, वर्ण एवं धर्म के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को आरक्षण का लाभ दिया जाए। इसके अलावा पूरे देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की भी मांग की गई।

पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार को इन मांगों पर गंभीरता से विचार कर उचित कार्रवाई करनी चाहिए। इस दौरान कुमाऊं मंडल प्रमुख पूरन चंद्र भट्ट, जिला महासचिव बसंत कुमार आहूजा, संगठन मंत्री सुरेश टम्टा, जिलाध्यक्ष नरेश कुमार, विनोद सिंह, भगवत शरण, मुन्नी देवी, प्रतिज्ञा, पायल, राजेश ढींगरा और महेश टम्टा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सू- दोकू क्र.076

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.75 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

भेल्डा बड़ा-मटियाली पंपिंग योजना में धांधली का आरोप

कोटद्वार(आरएनएस)। दुगड्डा ब्लॉक के तहत भेल्डा बड़ा-देवीखाल-मटियाली पंपिंग पेयजल योजना से भेल्डा बड़ा गांव के ग्रामीणों को पीने का पानी नहीं मिल पा रहा है।

ग्रामीणों ने कार्यदायी संस्था पर मानकों के अनुसार कार्य न कराने का आरोप लगाते हुए घटिया गुणवत्ता एवं लापरवाही की जांच कराने व उन्हें नियमित पेयजल आपूर्ति कराने की मांग उठाई है। ग्रामीणों ने योजना से संबंधित मांग को लेकर पेयजल निगम निर्माण शाखा के सहायक अभियंता को ज्ञापन सौंपा है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि करोड़ों की लागत से बनी भेल्डा बड़ा, देवीखाल मटियाल पंपिग पेयजल योजना में कार्यदायी संस्था पेयजल निगम निर्माण शाखा की ओर से मानकों के अनुसार कार्य नहीं कराया जा रहा है। विभागीय लापरवाही एवं घटिया निर्माण कार्य के चलते ग्रामसभा में नियमित पेयजल आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है।

विभाग की ओर से एक-दो दिन छोड़कर मोहल्ले अनुसार मात्र एक-दो घंटे ही जलापूर्ति की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि भेल्डा बड़ा से विभिन्न तोकों तक बिछाई गई पाइप लाइन की गहराई व साइज मानकों के अनुसार नहीं है जिससे भविष्य में पेयजल लाइन के बार-बार क्षतिग्रस्त होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने खेतों के बीच में बिछाई गई पाइप लाइन को खेतों के किनारे बिछाने, गांव सीमेंटेड स्टैंड पोस्ट बनवाने, पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदे गए आंगनों को पूर्व की भांति सीसी निर्माण कराने, पंपिंग पेयजल योजना के लिए खींची गई विद्युत लाइन पर संभावित जगहों पर बिजली के खंभे लगाने, योजना के लिए भूमि दान देने वाले काश्तकारों को योजना में पंप ऑपरेटर के समकक्ष नौकरी देने अथवा नियमानुसार भूमि का मुआवजा देने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रदीप चौधरी, राजेंद्र सिंह चौधरी, ललित मोहन चौधरी, राजेंद्र सिंह, सरला देवी, ललित मोहन, सुमन देवी, बीरेंद्र सिंह भंडारी, अवतार सिंह, कमलदीप चौधरी, पंकज चौधरी, महिपाल चौधरी आदि शामिल रहे।

द्रोणासागर परिसर में सोलर लाइट स्थापित करने की मांग

काशीपुर(आरएनएस)। डेवलपमेंट फोरम (केडीएफ) ने कुमाऊं मंडल विकास निगम से ऐतिहासिक द्रोणा सागर परिसर में सोलर लाइट स्थापित करने की मांग की है। केडीएफ अध्यक्ष राजीव घई ने कुमाऊं मंडल विकास निगम के प्रबंध निदेशक को पत्र भेजा है द्य इसमें कहा कि द्रोणा सागर परिसर में सुबह और शाम हजारों लोग वॉक करने आते हैं द्य साथ ही यहां तीरंदाजी, योग और अन्य खेलों का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। परिसर में करीब 750 सौ मीटर का वॉक ट्रैक स्थापित है द्य परिसर में प्रकाश व्यवस्था न होने के कारण शाम के समय अंधेरा हो जाता है। इससे लोगों को दिक्कत होगा सामना करना पड़ता है द्य उन्होंने परिसर में सोलर लाइट स्थापित करवाने की मांग की।

शिकायतकर्ता को फोन न करने वाले विभागों को नोटिस जारी

बागेश्वर(आरएनएस)। कलक्ट्रेट सभागार में जनता दरबार व सीएम पोर्टल में आ रही शिकायतों की समीक्षा की गई। इस दौरान सीएम हेल्पलाइन में आ रही शिकायतों को कुछ अधिकारी हल्के में ले रहे हैं।

शिकायतकर्ता को विभाग फोन तक नहीं कर रहा है। कॉलिंग प्रतिशत कम करने वाले विभागों को नोटिस जारी किए हैं। साथ ही कार्यशैली में सुधार के निर्देश दिए। जनता दरबार में पेयजल, विद्युत, आपदा राहत तथा सड़क महकों की 11 शिकायतें दर्ज हुई। मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी ने अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया, जबकि शेष प्रकरणों को त्वरित कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए।

सीडीओ ने सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की भी विस्तृत समीक्षा की। शिकायतकर्ता को कॉल नहीं करने वालों में खेल, शिक्षा, खनन विभाग, पेयजल निगम, नगर पालिका बागेश्वर और तीनों बीडीओ फिसड्डी साबित हो रहे हैं। इस पर सीडीओ ने कड़ी आपत्ति जताई है। सभी विभागों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। बैठक के दौरान 'हेलो बागेश्वर' पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की भी समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को जनसमस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। समाचार पत्रों में प्रकाशित जनहित से जुड़े समाचारों के संबंध में भी अधिकारियों से जानकारी ली गई। इस दौरान समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

चीफ पोस्टमास्टर जनरल ने किया पासपोर्ट आफिस का निरीक्षण

कोटद्वार(आरएनएस)। तहसील परिसर में पासपोर्ट कार्यालय के जल्द उद्घाटन की उम्मीद जग गई है। पासपोर्ट कार्यालय में फर्नीचर के साथ ही कंप्यूटर व वाईफाई की सुविधा जुटाई जा रही है। उत्तराखंड की चीफ पोस्टमास्टर जनरल शशि शालिनी कुजूर ने पासपोर्ट कार्यालय का निरीक्षण किया। गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में नगर में पासपोर्ट कार्यालय नहीं होने के कारण यहां के लोगों को पासपोर्ट बनवाने के लिए देहरादून की दौड़ लगानी पड़ रही थी।

पिछले साल नगर निगम चुनाव के दौरान कोटद्वार गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने कोटद्वार में पासपोर्ट ऑफिस खोलने की घोषणा की थी। इसके बाद तहसील में पासपोर्ट कार्यालय खोलने की कवायद शुरू हुई। तहसील में सब रजिस्ट्रार कार्यालय के पुराने भवन को पासपोर्ट कार्यालय के लिए चिह्नित किया गया। पिछले साल मार्च में केंद्र सरकार से पासपोर्ट कार्यालय की स्वीकृति मिलने के बाद सांसद बलूनी ने कार्यालय भवन के जीर्णोद्धार व अन्य संसाधन जुटाने के लिए सांसद निधि से 12 लाख की धनराशि उपलब्ध कराई। कार्यालय भवन के जीर्णोद्धार व संसाधन जुटाने का जिम्मा डाक विभाग को सौंपा गया है। चीफ पोस्टमास्टर जनरल शशि शालिनी कुजूर ने कोटद्वार में पासपोर्ट कार्यालय का निरीक्षण किया। वर्तमान में पासपोर्ट कार्यालय में फर्नीचर के साथ ही कंप्यूटर लगाने के साथ ही वाईफाई की सुविधा भी जुटाई जा रही है। निरीक्षण के दौरान डाक अधीक्षक दीपक शर्मा, सहायक डाक अधीक्षक अनूप सजवाण भी मौजूद रहे।

पैदल मार्ग से अभी तक नहीं हटा मलबा, मैंदणी के ग्रामीण परेशान

कोटद्वार(आरएनएस)। रिखणीखाल ब्लॉक के अंतर्गत ग्रामसभा मैंदणी के लिए स्वीकृत एक किमी मार्ग के चौड़ीकरण का मलबा अभी तक पैदल मार्ग से नहीं हट पाया है जिससे ग्रामीणों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग पर आए मलबे का उठान, पैदल मार्ग खोलने व नाली निर्माण होने तक ठेकेदार का भुगतान न करने की मांग उठाई है। ग्राम प्रधान धीरेंद्र सिंह बिष्ट की अगुवाई में ग्रामीणों ने इस संबंध में लैंसडौन की एसडीएम शालिनी मौर्य को ज्ञापन सौंपा है।

ग्रामीणों ने कहा कि ग्राम पंचायत मैंदणी में वर्ष 2018 में विधायक निधि से मुख्य सड़क से गांव तक करीब एक किमी सड़क का निर्माण किया गया। सड़क बनने के बाद ग्रामीणों को भारी सामान ले जाने व बीमार लोगों को मुख्य सड़क तक आवाजाही की सुविधा मिल रही थी।

पिछले साल प्रशासक के कार्यकाल के दौरान जिला पंचायत सदस्य द्वारा जल्दबाजी में इस सड़क के चौड़ीकरण के लिए धन आवंटित कराया गया। ठेकेदार की ओर से खेतों में विस्फोट करने से सड़क पर कई जगह मलबा आ गया था जिसे अभी तक नहीं हटाया गया।

पिछले साल जुलाई में भारी बारिश के दौरान गांव के मेटाधारी तोक में हुए भूस्खलन से गांव के अनुसूचित जाति के सात परिवारों के मकान खतरे की जद में आ गए थे। प्रशासन की ओर से तब इन परिवारों को प्राथमिक विद्यालय में शिफ्ट किया गया था। अब दूसरी बरसात आने वाली है लेकिन अभी तक भूस्खलन प्रभावित जोन में पुश्ता नहीं बन पाया है। ज्ञापन सौंपने वालों में कुलदीप सिंह, श्याम सिंह बिष्ट, भारत सिंह बिष्ट, सुनीता बिष्ट आदि शामिल रहे।

त्रिपरा सुंदरी शिव शक्ति धाम आश्रम में धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन

संवाददाता

ऋषिकेश। मणिकूट पर्वत स्थित मां त्रिपुरा सुंदर शिव शक्ति धाम आश्रम में धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है।

आज यहां मणिकूट पर्वत स्थित मां त्रिपुरा सुंदरी शिव शक्ति धाम आश्रम में श्री श्री 1008 हरिओम महाराज के सानिध्य में चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर विशेष यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। महाराज ने भक्तों को इस प्राकृतिक योग संयोग का लाभ उठाने और 27 मार्च को होने वाली पूर्णाहुति में सम्मिलित होने का विशेष निमंत्रण दिया है। हरिओम महाराज ने बताया कि 27 मार्च 2022 को यहां दस महाविद्या में से चौथी महाविद्या माता त्रिपुर सुंदरी की प्राण-प्रतिष्ठा की गई थी। 2025 में 1008 कुण्डीय महायज्ञ का सफल आयोजन भी इसी तिथि को संपन्न हुआ था। आश्रम में पहले से ही त्रयोदश ज्योतिर्लिंग की प्रतिष्ठा की जा चुकी है। मणिकूट पर्वत के औषधीय जल से इन ज्योतिर्लिंगों का जलाभिषेक किया जाता है। जिसे भक्त प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। नवरात्रि के दौरान आश्रम में 11 कुण्ड जागृत रहेंगे। भक्तों के लिए मुख्य यज्ञशाला में विशेष प्रबंध किए गए हैं जहां वह आहुति दे सकेंगे। महाराज जी ने 19 से 27 मार्च तक के समय को बेहद शुभ बताया है। उन्होंने कहा कि 27 नक्षत्रों और नवरात्रि की तिथियों का यह मेल एक दुर्लभ सुयोग है जो भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करने वाला है। उन्होंने बताया कि मणिकूट पर्वत पर शिव-शक्ति का वास है। जो भी भक्त यहां श्रद्धापूर्वक आता है, उसकी मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है। महाराज ने बताया कि जो श्रद्धालु देश के कोने-कोने में स्थापित 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन नहीं कर पता है। वह श्रद्धालु यहां त्रयोदश ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त कर सकता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वह एक बार त्रयोदश ज्योतिर्लिंग के दर्शन और आगामी नवरात्र कार्यक्रम में हिस्सा लेकर पुण्य के भागी जरूर बने।

यात्रा सीजन में आने वाले पर्यटकों को..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

के निर्देश दिए। टनल निर्माण की प्रगति की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि इस परियोना के अधिकारियों का विजिट शीघ्र ही ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन टनल एवं अन्य निर्माण कार्य स्थलों का कराएं ताकि वहाँ के कार्यों से अनुभव लेकर यहाँ के कार्यों में प्रगति आए। ब्रिडकुल कार्यदायी संस्था द्वारा जनपद में कुमाऊ विश्वविद्यालय में 45 करोड़ रुपये की लागत से बीएड विधि संकाय भवन निर्माण, 44 करोड़ रुपये की लागत से 100 शैया मानसिक चिकित्सालय गेठिया, तथा 39 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कालेज में स्टेट कैसर संस्थान के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान धीमी प्रगति पर अधिकारियो से कहा कि निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुए गुणवत्ता एवं समयबद्धता से कार्य किया जाय। समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने जिले में राजस्व वसूली, वन भूमि हस्तांतरण, मुख्यमंत्री द्वारा जनपद में की गई घोषणाओं की स्थिति, नशामुक्त उत्तराखंड अभियान सहित अन्य विकास कार्यों की भी समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इसी प्रकार जनपद में स्थल स्तरीय राजस्व प्रकृति के विवादों का त्वरित गति से निस्तारण किया जा रहा है।वर्तमान तक कुल 2207 में से 2056 का निस्तारण किया जा चुका है इस हेतु लगातार विभिन्न स्थानों में कैंप लगाए जा रहे हैं। बैठक में आयुक्त कुमाऊं व सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत, जिला अधिकारी ललित मोहन रयाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ मंजूनाथ टीसी, प्रभागीय वनाधिकारी आकाश गंगवार, पुलिस अधीक्षक डॉ जगदीश चंद्रा, मनोज कत्याल,अपर जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी,लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता मनोहर सिंह धर्मशक्तू,पेयजल निर्माण निगम के अधीक्षण अभियंता अनूप पाण्डे सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मॉक ड्रिल: ऋषिकेश से लेकर विकासनगर..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

से एक के बाद एक घटना घटने की सूचना जिला आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम को प्राप्त हुई, सूचना प्राप्त होते ही जिलाधिकारी सविन बसंल ने आईआरएस को सक्रिय किया, जिस सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा कंट्रोल रूम में उपस्थित होकर विभिन्न घटना स्थलों पर तैनात कार्मिकों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए राहत एवं बचाव कार्य में जुट गये। विकासनगर के हर्बटपुर अंतर्गत भूकंप से प्रभावित क्षेत्र में राहत बचाव जारी है। वहीं चारधाम यात्रा ट्रांजिट कैम्प ऋषिकेश बम ब्लास्ट की घटना की राहत बचाव कार्य जारी है। ऋषिकेश त्रिवेणी घाट पर जलस्तर बढने से बाढ की स्थिति पर राहत बचाव कार्य जारी है। कालसी ब्लाक अंतर्गत लालढांग पुल के समीप वाहन दुर्घटना होने की घटना पर राहत व बचाव कार्य जारी है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित हुई राज्य ब्रॉडबैंड समिति की बैठक

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में राज्य ब्रॉडबैण्ड समिति की 9वीं बैठक सम्पन्न हुयी।

आज यहां मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में राज्य ब्रॉडबैण्ड समिति की 9वीं बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान इंटरनेट कनेक्टिविटी से सम्बन्धित विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गयी एवं मुख्य सचिव द्वारा दिशा निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने ऐसे क्षेत्रों जहां रोड एक्सेस नहीं है, 4जी उपकरण आदि पहुंचाने के लिए रोड कनेक्टिविटी के बजाय फाईबर केबिल बिछाकर एवं वाईफाई आदि के माध्यम से शीघ्र से शीघ्र कनेक्टिविटी उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए अन्य विकल्पों पर भी विचार कर उपयोग किए जाने जाने की बात कही। मुख्य सचिव ने सभी पंचायत भवनों को भारतनेट कनेक्टिविटी सुविधा शीघ्र से शीघ्र उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि राज्य सरकार का आरओडब्ल्यू पोर्टल को आईटीडीए हैंडल करेगा। साथ ही उन्होंने अन्य पेयजल, बिजली, गैस एवं संचार से सम्बन्धित ऐसे विभागों, जो सड़कों आदि खुदाई कर अंडरग्राउण्ड लाइनें बिछाने का कार्य करते हैं, को आरओडब्ल्यू पोर्टल पर अपने सिस्टम को शीघ्र इंटीग्रेट किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने स्ट्रीट फर्नीचर

मैपिंग कार्य में तेजी जाए जाने के लिए सभी संबंधित विभाग को निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी सैचुरेशन के कार्य में किसी भी प्रकार की कोई समस्या आती है तो सीधे सम्बन्धित सचिव से बात कर समस्याओं का निराकरण किया जाए। उन्होंने जनपद स्तरीय समितियों की बैठकें निर्धारित समय में अनिवार्य रूप से आयोजित कराए जाने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देश दिए कि समस्त गतिविविधों की प्रगति रिपोर्ट मासिक रूप से सचिव आईटी को नियमित रूप से प्रेषित की जाए। मुख्य सचिव ने समस्त पंचायत भवनों में भारतनेट की कनेक्टिविटी दिए जाने से सम्बन्धित बिन्दु पर जहां पंचायत भवन निर्माणाधीन हैं, ऐसे स्थानों में विकल्प के तौर पर पास के सरकारी भवनों जैसे प्राथमिक विद्यालय अथवा आंगनवाड़ी केन्द्रों में अस्थायी रूप से कनेक्टिविटी उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने पंचायत भवनों के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में भी तेजी जाए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने सभी टेलीकॉम कम्पनियों को शहरी क्षेत्रों में भी कॉल ड्राप की समस्या को सुधारे जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में ऐसे ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर सुधारे जाएं जहां लगातार कॉल ड्रॉप होती है। उन्होंने कहा कि यात्रा सीजन के दौरान प्रदेश के सभी यात्रा मार्गों में स्थायी टावर लगाए जाने तक अस्थायी मोबाईल टावर लगाकर कनेक्टिविटी सुविधा सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर सचिव नितेश कुमार झा, सी. रविशंकर, केन्द्रीय दूर संचार विभाग के अधिकारी, बीएसएनएल सहित अन्य प्राईवेट मोबाईल नेटवर्क सेवा प्रदाता एवं टावर्स एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोवाईडर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मारपीट में चार के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार चकशाह नगर निवासी तेजपाल ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके मौहल्ले के रहने वाले राहुल, क्रिश, पवन व अन्नु ने उसको रास्ते में रोककर उसके साथ गाली गलौच करने लगे। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। शोर सुनकर जब आसपास के लोग वहां पर पहुंचे तो वह उसको जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गये।

मकान का ताला तोडकर लाखों की नगदी व जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोडकर वहां से लाखों की नगदी व जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्ष्मीपुर निवासी मदन सिंह पंवार ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था। आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से ढाई लाख रूपये की नगदी, सोने के लाखों रूपये के जेवरात व सामान चोरी करके ले गये हैं।

मुख्यमंत्री ने श्री श्री रविशंकर से की शिष्टाचार भेंट

हमारे प्रतिनिधि

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को ऋषिकेश में श्री श्री रविशंकर से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान दोनों के बीच सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पद्म विभूषण से सम्मानित श्री श्री रविशंकर द्वारा स्थापित आर्ट ऑफ लिविंग संस्था विश्वभर में शांति, योग और मानवीय मूल्यों के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उनके मार्गदर्शन से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है, जो उत्तराखंड जैसे आध्यात्मिक प्रदेश के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। श्री श्री रविशंकर ने मुख्यमंत्री को आशीर्वाद देते हुए राज्य की उन्नति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की आध्यात्मिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य इसे वैश्विक स्तर पर विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं और इसे और सशक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। मुख्यमंत्री ने संत-महात्माओं के मार्गदर्शन को राज्य के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण बताया।

'बात निकलेगी तो दूर तलक जाएगी'

●भाजपा नेता अजेंद्र की नई सोशल मीडिया पोस्ट ने राजनैतिक गलियारों में मचाया तहलका
●पार्टी के लिए 'अपने' ही मुसीबत खड़ी करते आ रहे हैं और इसे हलके में ले रही है पार्टी
●सोशल मीडिया पोस्ट में दस्तावेजों और विषयों को सार्वजनिक करने की बात भी लिखी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। अंतरकलह से गुजर रही भाजपा के लिए कफील आजर अमरोहवी के गजल की यह लाइन 'बात निकलेगी तो फिर दूर तलक जाएगी' आने वाले चुनाव में भारी पड़ सकती है। चुनावी साल में सभी पार्टियां जहां सोच-समझकर कार्य करती है वही भाजपा अपनों के रूठने को हलके में ले रही है। लंबे समय से भाजपा के लिए उसके 'अपने' ही मुसीबत खड़ी करते आ रहे है और पार्टी इसे चुनावी साल में हलके में ले रही है। हाल ही में भाजपा नेता अजेंद्र अजय की सोशल मीडिया पोस्ट की चर्चा जहां राजनैतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई थी। इसके बाद भाजपा नेता अजेंद्र की नई सोशल मीडिया पोस्ट ने फिर से राजनैतिक गलियारों में तहलका मचा दिया है।

बता दें कि भाजपा के वरिष्ठ नेता अजेंद्र अजय की नई सोशल मीडिया पोस्ट से राज्य में हलचल पैदा कर दी है। सूत्रों के अनुसार भाजपा नेता अजेंद्र अजय, पार्टी और सरकार से नाराज चल रहे हैं। भाजपा नेता अजेंद्र अजय का कहना है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी अभिव्यक्ति को व्यक्त किया था। इसके बाद से ही उन्हें हर तरह से घेरने का प्रयास किया जा रहा है। अजेंद्र अजय ने लिखा है कि कि उनके बारे में मीडिया एवं सोशल मीडिया के जरिए यह भी प्रचारित करने की कोशिश हो रही है कि अजेंद्र अजय फलां गुट का है और फलां का आदमी है।

सोशल मीडिया पोस्ट में अजेंद्र अजय ने लिखा है कि किन विषयों को लेकर उनकी नाराजगी है, इस बात को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के साथ ही अन्य स्तरों पर भी व्यक्त कर चुके हैं। यही नहीं, जिन विषयों को लेकर उनकी नाराजगी है और उन्होंने जिन विषयों को उठाया है वह कोई उनका व्यक्तिगत मामला नहीं बल्कि सार्वजनिक महत्व का मामला है। ऐसे में इन सब विषयों से संबंधित कुछ दस्तावेज प्राप्त होने के बाद जल्द ही दस्तावेजों और विषयों को सार्वजनिक करेंगे।

सोशल मीडिया पर दस्तावेजों वाली लाइन लिखकर भाजपा नेता अजेंद्र ने एक नई सनसनी फैला दी है। राजनैतिक गलियारों में यह चर्चा है कि किसी भी सरकार में सब कुछ ठीक तो होता नहीं है और भाजपा में भी कुछ गलत हुआ है। इस ओर भाजपा नेता की सोशल मीडिया पोस्ट का यही मतलब होता है। अगर यह सब सार्वजनिक हुआ तो आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। लेकिन पार्टी इसे हलके में ले रही है। एक ओर जहां भाजपा की ओर से पूरे मामले में अभी तक कोई बयान नहीं आया है।

वही दूसरी ओर भाजपा नेता अपनी उल जूलूल बयानबाजी से पार्टी के लिए मुसीबत खड़ी कर रहे हैं।

ऊर्जा निगमों में बड़ा फेरबदल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। यूपीसीएल और यूजेवीएनएल के एमडी पद पर तैनात अधिकारियों का कार्यकाल समाप्त हो गया है, जिसके चलते ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम ने यूपीसीएल के एमडी पद पर तैनात अनिल कुमार यादव को पदमुक्त कर दिया है। इसी तरह, यूजेवीएनएल के एमडी पद पर तैनात संदीप सिंघल को भी उनका कार्यकाल पूरा होने के चलते अवमुक्त कर दिया गया है।

इसके अलावा, यूपीसीएल में निदेशक पद पर तैनात अजय कुमार अग्रवाल को भी पदमुक्त कर दिया गया है। इस संबंध में ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव

यूपीसीएल के एमडी अनिल कुमार, यूजेवीएनएल के एमडी संदीप सिंघल पद से हटाए गए

आर मीनाक्षी सुंदरम ने आदेश भी जारी कर दिए हैं। 29 अक्टूबर 2021 को अनिल कुमार को प्रबंध निदेशक, यूपीसीएल यानी उत्तराखंड पावर कारपोरेशन लिमिटेड के पद पर अगले 03 साल या फिर 60 साल उम्र होने तक के लिए नियुक्त किया गया था। लेकिन शासन ने 09 अक्टूबर 2024 को अनिल कुमार को प्रबंध निदेशक, यूपीसीएल के पद पर अधिवर्षता आयु 30 जून 2024 से 02 साल के लिए सेवा विस्तार दिया था। अब उन्हें पदमुक्त कर दिया गया है।

इसी तरह, 29 जनवरी 2020 को संदीप सिंघल को प्रबंध निदेशक, यूजेवीएनएल यानी उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड के पद पर 03 साल या फिर 60 साल उम्र होने तक के लिए नियुक्त किया गया था, लेकिन शासन ने 15 मार्च 2024 को संदीप सिंघल को प्रबंध निदेशक, यूजेवीएनएल के पद पर अधिवर्षता आयु 30 जून 2024 से 02 साल के लिए सेवा विस्तार दिया गया था, अब उन्हें भी पदमुक्त कर दिया गया है।

बीकेटीसी के सीईओ मूल विभाग में वापसी भेजे

●बीकेटीसी में विवादों की स्थिति के बाद लिया सरकार ने फैसला

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। बीकेटीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय थपलियाल की प्रतिनियुक्ति को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया है। उन्हें उनके मूल विभाग कृषि उत्पादन मंडी समिति में वापस भेज दिया गया है।

बता दें कि विजय थपलियाल को 29 जुलाई 2024 को प्रतिनियुक्ति पर बीकेटीसी के सीईओ पद की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, लेकिन पिछले कुछ समय से समिति के भीतर लगातार विवादों की स्थिति बनी हुई थी। बताया जा रहा है कि समिति के अध्यक्ष और सीईओ के बीच समन्वय की कमी खुलकर सामने आ रही थी, जिससे प्रशासनिक कार्यों पर भी असर पड़ रहा था।

इसी बीच केदारनाथ धाम से जुड़ा एक और विवाद सामने आया, जिसमें 'रूप छड़' को लेकर उठे सवालों ने मामले को और ज्यादा संवेदनशील बना दिया। इस प्रकरण में सीईओ की भूमिका को लेकर भी कई तरह के सवाल खड़े किए गए थे। इन घटनाओं के बाद से ही यह माना जा रहा था कि बदरी केदार मंदिर समिति में शीर्ष स्तर पर बदलाव तय है और किसी भी समय बड़ा प्रशासनिक निर्णय लिया जा सकता है।

खनन विभाग की बड़ी कार्रवाई, 14 स्टोन क्रेशर सीज

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। खनन विभाग ने बीते रोज अवैध भंडारण की शिकायतों के आधार पर बड़ी कार्रवाई की है। बाड़ीटीप, फतवा, महतोली, मुजफ्फरपुर गुजरा और नेहंद क्षेत्रों में 14 स्टोन क्रेशर तत्काल प्रभाव से सीज कर दिए गए है। जांच में कई अनियमितताएं सामने आई, जिसके चलते विभाग ने क्रेशरों की पैमाइश कर ई-रवन्ना पोर्टल को भी अस्थायी रूप से बंद कर दिया। विभागीय प्रवर्तन दल ने मौके पर सख्त कार्रवाई करते हुए अवैध गतिविधियों को रोकने के निर्देश जारी किए।

खनन विभाग का कहना है कि इस कार्रवाई में 10 करोड़ रुपये से अधिक के अवैध भंडारण की आशंका है। इसके साथ ही संचालकों पर अलग से अर्थदंड लगाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। यह अभियान खनिकर्म निदेशालय, देहरादून के नेतृत्व में चलाया गया। विभाग ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य अवैध खनन और अवैध भंडारण को रोकना है। अधिकारियों ने बताया कि कार्रवाई के दौरान सभी दस्तावेजों और परमिटों की जांच की गई। जो क्रेशर नियमों का उल्लंघन कर रहे थे, उन्हें तत्काल सील किया गया। खनन विभाग ने स्पष्ट किया कि यह केवल एक कदम है और आगे भी अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने क्षेत्रीय संचालकों को चेतावनी भी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

राजनीति में कोई फुलस्टॉप नहीं होता: पीएम मोदी

हमारे प्रतिनिधि

नई दिल्ली। संसद के ऊपरी सदन राज्यसभा में 37 सांसदों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। इनमें से कई सांसद दोबारा से अपना कार्यकाल शुरू करेंगे तो वहीं, कई नए सदस्य भी संसद का हिस्सा बनेंगे। हाल ही में राज्यसभा की 37 सीटों पर नए सदस्यों का चुनाव भी संपन्न हुआ है। इसी क्रम में बुधवार को राज्यसभा में जिन सांसदों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है उनके लिए विदाई भाषण का आयोजन किया गया। इस भाषण में पीएम मोदी ने भी भाग लिया और सदन को संबोधित किया है। पीएम मोदी ने कहा है कि राजनीति में कोई फुलस्टॉप नहीं होता है।

पीएम मोदी ने कहा कि सदन में हमारी शिक्षा होती है और दीक्षा भी। सदन अपने आप में बहुत बड़ी यूनिवर्सिटी है। सदन में हर सांसद का योगदान होता है। यहां नए सांसदों को वरिष्ठ सांसदों से सीखना चाहिए। जो सांसद रिटायर हो रहे हैं उनका सदन में बहुत बड़ा योगदान है। राजनीति में कोई फुलस्टॉप नहीं होता है।

पीएम मोदी ने रिटायर हो रहे सांसदों को विदाई देते हुए कहा- सदन में कई मुद्दों पर चर्चा होती है और हर कोई बहुत महत्वपूर्ण योगदान देता है। रास्ते में कुछ खट्टे-मीठे अनुभव भी होते हैं। हालांकि, जब ऐसा अवसर आता है, तो यह स्वाभाविक है कि हम पार्टी लाइनों से ऊपर उठें और सभी के बीच एक सामान्य भावना उभरे कि हमारे सहयोगी अब कुछ अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों के लिए आगे बढ़ रहे हैं। कई सांसद यहां से अनुभव प्राप्त कर के जा रहे हैं और समाज और सार्वजनिक जीवन में सार्थक योगदान देना जारी रखेंगे।

राज्यसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा- सभी सम्मानित सदस्य जो इस सदन से विदाई ले रहे हैं, उनमें से कुछ ऐसे समय में जा रहे हैं जब सदन का सत्र नहीं चल रहा है, जबकि कुछ को सत्र के दौरान ही विदाई मिल रही है। लेकिन इन सभी सदस्यों ने बहुत मूल्यवान योगदान दिया है। मैं एचडी देवेगौड़ा, मल्लिकार्जुन खरगे और शरद पवार जैसे सम्मानित नेताओं का उल्लेख करना चाहूंगा। ये वरिष्ठ नेता हैं जिन्होंने अपने जीवन का आधा से अधिक समय संसदीय कामकाज में बिताया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।